B.M.A. College Baheri Darbhanga (LNMU)
B.A. (Hons) Part - I Paper - I

लगान का आधुनिक सिद्धान्त

Dr. S.K. Singh
Dept of Economics

MODERN THEORY OF RENT

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों, विशेषकर रिकार्डो का लगान सिद्धांत भूमि तक ही सीमित है, परन्तु वर्तमान अर्थशास्त्री इस बात से सहमत नहीं है। उनका मत है कि उत्पत्ति के शेष साधन भी भूमि की भांति स्थिर या सीमितता का गुण (Quality of fixity or Limitedness) या भूमि-तत्व (Land-element) का गुण अर्जित कर सकते हैं, इसलिए शेष साधनों को भी लगान मिल सकता है। अतः आज सभी अर्थशास्त्री इस मत से सहमत हैं कि उत्पत्ति का प्रत्येक साधन लगान प्राप्त कर सकता है और लगान का आधुनिक सिद्धांत एक सामान्य सिद्धांत (General Theory) है।

आधुनिक सिद्धांत का आधार (Basis of the Modern theory)

लगान के आधुनिक सिद्धांत का आधार साधनों की विशेषता (Specificity of factors) है। इस सन्दर्भ में आस्ट्रियन अर्थशास्त्री वॉन वीजर (Von Wieser) ने उत्पत्ति के साधनों को दो भागों में बांटा है:

(i) पूर्णतया विशिष्ट साधन (Perfectly Specific factors) तथा
(ii) पूर्णतया अविशिष्ट साधन (Perfectly Non-specific factors)।

पूर्णतया विशिष्ट साधन वे हैं, जिनका केवल एक ही प्रयोग किया जा सकता है। इसलिए विशिष्ट साधनों की अवसर लागत (opportunity cost) शून्य होती है। पूर्णतया अविशिष्ट साधन वे हैं, जिनके एक से अनेक प्रयोग किये जा सकते हैं, अथवा जो साधन पूर्णतया गतिशील हो। विशिष्ट साधनों के सम्बंध में दो बातें ध्यान देने योग्य हैं: (1) विशिष्टता एक गुण है, इस गुण को कोई भी साधन कभी भी प्राप्त कर सकता है। जो साधन आज विशिष्ट है कल वह अविशिष्ट हो सकता है। उदाहरण के लिए भूमि का वह टुकड़ा जिसमें कपास की खेती की जा रही है, फसल काटने तक वह विशिष्ट रहेगा। फसल काटने के उपरान्त उसमें मकान बना सकता है, बगीचा लगाया जा सकता या किसी अन्य फसल को बोया जा सकता है, इसलिए अब हम इस भूमि के टुकड़े को अविशिष्ट कह सकते हैं।